# ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 15 अंक-II अप्रैल-II, 2014 पाक्षिक माउण्ट आबू 7.50


## सम्पूर्ण मानवता संत-महात्माओं की सदा कृतज्ञ रहेगी - दादी

हरिद्वार। जगत के इतिहास में समग्र मानवता के उद्धार, प्रगति एवं विकास के लिए संत-महात्माओं ने स्वयं को आध्यात्मिक शक्तियों से संपन्न किया एवं सारे विश्व में आध्यात्मिकता की पताका फहराई। संत-महात्माओं ने सद्ज्ञान प्रकाश एवं सद्गुण दान देकर त्याग, तपस्या, सेवा, सादगी, समर्पणता और पवित्रता का ज्ञान पिलाकर संसार में नैतिकता को जीवित रखा है इसलिए सम्पूर्ण मानवता उनकी सदा ही कृतज्ञ रहेगी।

उक्त उद्गार 98 वर्षीय राजयोगिनी दादी जानकी ,मुख्य प्रशासिका ब्रह्माकुमारीज़ ने "विशिष्ट संत सम्मेलन" के उपलक्ष्य में भारत सेवाश्रम के सभागार में व्यक्त किए।

महामण्डलेश्वर स्वामी विवेकानन्द जी,श्री भगवतधाम हरिद्वार ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता ही एक ऐसा शास्त्र है जो सारे विश्व को एक सूत्र में पिरोकर जीवन जीने की कला सिखलाता है। उन्होंने आगे कहा कि यह ब्रह्माकुमारी बहनें अपने जीवन में गीता ज्ञान को उतारकर चहुँ दिशाओं में फैला रही हैं।

श्री महन्त ज्ञानदेव सिंह जी,अध्यक्ष निर्मल अखाड़ा हरिद्वार ने कहा कि राजयोगिनी दादी जानकी का संबंध हमारे पूर्वजों के साथ रहा है क्योंकि उन्होंने गुरुग्रंथ साहिब का बचपन में अध्ययन किया है। दादी का जीवन आज आध्यात्मिक विभूति के रूप में प्रख्यात है।

महामण्डलेश्वर स्वामी भगवान दास जी,अध्यक्ष श्रीरामानन्द आश्रम महापीठ हरिद्वार ने कहा कि इस ईश्वरीय विश्वविद्यालय में जीवन जीने की कला सिखलाई जाती है। उन्होंने दादी से अनुरोध किया कि ऐसे सम्मेलन का आयोजन हर वर्ष कुम्भ नगरी हरिद्वार में होना चाहिए ताकि हम सब मिल-बैठकर समाज की ज्वलन्त समस्याओं का समाधान ढूँढ़ सकें।

श्री महन्त स्वामी रविन्द्रपुरी जी,अध्यक्ष श्री पंचायती महानिर्वाणीय अखाड़ा हरिद्वार ने कहा कि "विशिष्ट संत सम्मेलन"में उपस्थित श्वेत वस्त्रधारिणी ब्रह्माकुमारी बहनें देवियों के समान हैं।

संत दर्शन सिंह जी त्यागमूर्ति,अध्यक्ष षड्दर्शन साधू समाज ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें दादी जी के यहाँ आने पर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने सभी संत-महात्माओं की ओर से दादी से अनुरोध किया कि वे अपना सतायु समारोह हरिद्वार में ही मनाएं।

ब्रह्माकुमारी संस्था के अतिरिक्त सेक्रेट्री जनरल ब्र.कु.बृजमोहन ने गीता के गुह्य रहस्यों पर अपने विचार व्यक्त किए। ब्र.कु.अमीर चन्द,प्रभारी उत्तर भारत ब्रह्माकुमारीज़ ने सभी को धन्यवाद किया।

हरिद्वार। "विशिष्ट संत सम्मेलन" के दौरान जनसभा को सम्बोधित करते हुए दादी जानकी। मंचासीन हैं महामण्डलेश्वर स्वामी विवेकानन्द, श्री महन्त ज्ञानदेव सिंह, महामण्डलेश्वर स्वामी भगवान दास, श्री महन्त स्वामी रविन्द्रपुरी, ब्र.कु.बृजमोहन, ब्र.कु.अमीर चन्द तथा अन्य।

**"हरिद्वार के कई बड़े संत-महात्माओं ने लिया "विशिष्ट संत सम्मेलन"में हिस्सा। सम्मेलन के लिए विशेष आई दादी जानकी का किया धन्यवाद, सतायु समारोह हरिद्वार में मनाने का किया अनुरोध।"**

## नारी आधुनिकता के साथ आध्यात्मिकता को अपनाए

इन्दौर। किसी भी युग में, किसी भी समाज में नैतिकता के पैमाने का पता लगाना हो तो नारी के जीवन स्तर से लगा सकते हैं। नारी ही भिन्न-भिन्न रूपों में - चाहे दुर्गा शक्ति के रूप में, चाहे सरस्वती के रूप में, चाहे शीतला देवी के रूप में पार्ट बजाती आई है। नारी हर क्षेत्र में पुरुष के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाज के लिये योगदान देती आ रही है।

उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'नारी सुरक्षा-हमारी सुरक्षा' अभियान के उद्घाटन समारोह में मुख्य वक्ता ब्र.कु. मंजु,बिलासपुर ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि यह खेद की बात है कि सदियों से जिस नारी को समाज देवी के रूप में पूजता आ रहा है, आज उसी नारी को अबला समझ उस पर अत्याचार, बलात्कार, दहेज, ज़िंदा जलाने जैसे घृणित अपराध हो रहे हैं।

उन्होंने उदाहरण देते हुये बताया कि जिस प्रकार सीता, लक्ष्मण रेखा रूपी मर्यादा का उल्लंघन करने से रावण की कैद में चली गई उसी प्रकार आज की नारी जाति आध्यात्मिक शक्ति को भूल आधुनिकता में रंगकर स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रही है। नारी सद्चरित्र को अपनाकर स्वयं अपनी रक्षा कर सकती है। पूर्व महापौर डॉ. उमाशशि शर्मा ने कहा कि जितनी भी देवियों की आज हम पूजा करते हैं, वे हम माताओं, बहनों का ही स्वरूप हैं। नारी ही ब्रह्मा समान रचना करती है, विष्णु समान पालना करती है और सबका कल्याण भी करती है।

ब्र.कु.हेमलता,मुख्य क्षेत्रीय समन्वयक,इन्दौर ने अपने उद्बोधन में कहा कि नारी यदि जीवन में आध्यात्मिकता को अपना ले तो स्वयं की सुरक्षा के साथ-साथ अपने परिवार, समाज व देश की रक्षा कर सकती है।

ब्र.कु. ओमप्रकाश,मुख्य क्षेत्रीय निदेशक ने भी इस कार्यक्रम के लिये अपनी शुभकामनायें देते हुए कहा कि महिलायें यदि अपनी चाल-चलन, वेशभूषा में सादगी को अपना लें, स्वयं को नैतिक मूल्यों से सशक्त बना लें तो अपनी रक्षा कर सकती हैं। महिला प्रभाग की क्षेत्रीय समन्वयक ब्र.कु. सुमित्रा ने आये हुए अतिथियों का स्वागत किया तथा लायन्स क्लब की डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट श्रीमती किरण धूत, प्राचार्य श्रीमती अल्का भार्गव, म.प्र. महिला कांग्रेस की पूर्व उपाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी गुप्ता तथा दूर संचार महिला संगठन की अध्यक्षा श्रीमती अर्चना पांडेय ने अपनी शुभकामनायें दीं। नगर की अनेक गणमान्य महिलाओं ने दीप प्रज्वलन किया। शुभम नृत्य कला केन्द्र की छात्राओं ने नारी की महिमा के ऊपर नृत्य प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन ब्र.कु. शशि ने किया। कार्यक्रम के पश्चात् गांधीहॉल से राजवाड़ा तक शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें शिव ध्वज फहराया गया और कलशधारी बहनें शामिल हुई।

इन्दौर। "नारी सुरक्षा हमारी सुरक्षा" अभियान के उद्घाटन अवसर पर दीप प्रज्वलन करते हुए डॉ.उमाशशि शर्मा, ब्र.कु.हेमलता, ब्र.कु.मंजु, ब्र.कु.सुमित्रा, ब्र.कु.अनीता तथा अन्य।